लाल ग्रह पर फिर मिले जीवन के संकेत

मंगल ग्रह पर जीवन की सम्भावना को लेकर तर्क-वितर्क के दौर चलते रहते हैं। ताज़ा दावे से एक बार फिर मंगल पर जीवन को लेकर नई बहस छिड़ गई है। दावा किया गया है कि मंगल की मिट्टी में सूक्ष्मजीवों का अस्तित्व हो सकता है। यह दावा मंगल ग्रह से 31 साल पहले जुटाए गए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किया गया है।

वर्ष 1976 में लाल ग्रह पर जीवन की सम्भावना की तलाश के लिए अंतरिक्ष यान 'वाइकिंग' को मंगल ग्रह की सतह पर उतारा गया था, लेकिन तब वह अपने मिशन में विफल रहा था। अब करीब तीन दशक के बाद गिसेन विश्वविद्यालय (जर्मनी) के प्रोफेसर जूप हाउटकूपर ने कहा है कि यान ने मंगल पर जैविक गतिविधियों के संकेत देखे थे। उनके अनुसार जीवन का यह स्वरूप ग्रह की शुष्क व अर्द्धबर्फीली ज़मीन पर हाइड्रोजन-परॉक्साइड पर आधारित रहा होगा। यान द्वारा किए गए परीक्षणों के विश्लेषण के आधार पर उन्होंने बताया कि लाल ग्रह की 0.1 फीसदी मिट्टी में जीवों का उद्‌गम सम्भव है। उन्होंने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि, 'एक हज़ार में एक कोई छोटी संख्या नहीं है।' उनके अनुसार अंटार्क्टिका में जीवाणु व शैवाल भी इसी अनुपात में पाए जाते हैं।

हाउटकूपर ने कहा कि हमें देखना होगा कि ये जीवाणु किस तरह के हैं और उनका सम्बंध पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीवाणुओं से है अथवा नहीं। यह सम्भव है कि ये जीवाणु काफी समय पहले पृथ्वी से मंगल या फिर मंगल से पृथ्वी पर स्थानांतरित हो गए हों।

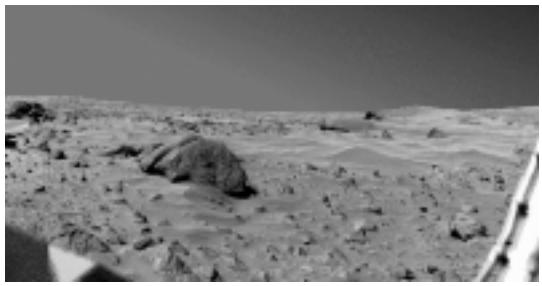

गौरतलब है कि एक दशक पहले अंटार्क्टिका में एक प्राचीन उल्का पिंड मिला था जिसमें मंगल पर जीवन होने के प्रमाण मिले थे। उसके बाद से ही धरती के अलावा कहीं और भी जीवन होने के अनुमान लगाए जाते रहे हैं।

हाउटकूपर का कहना है कि मंगल उन सूक्ष्मजीवों का घर हो सकता है जिनकी कोशिकाओं में हाईड्रोजन परॉक्साइड और पानी का मिश्रण होता है। यह मिश्रण इन जीवों को अत्यंत प्रतिकूल बर्फीली परिस्थितियों में भी जीवित रखता है। मंगल का तापमान कभी-कभी शून्य से 150 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है। माना जाता है कि इन हालात में भी ये सूक्ष्मजीव जीवित रहे होंगे। वाइकिंग ने इन्हीं सूक्ष्मजीवों के बारे में जानकारी जुटाई होगी।

हाउटकूपर अपना यह शोध पोट्‌सडैम (जर्मनी) में होने वाली युरोपियन प्लेनेटरी साइंस कांग्रेस में पेश करेंगे। इस शोध के बाद नासा के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि मई 2008 में जब उनका यान 'फिनिक्स मार्स लैंडर' मंगल पर उतरेगा, तब वे कुछ और सबूत जुटाने में कामयाब होंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***